मेसी–यामाल : पुरानी तस्वीर से फाइनल तक

06 महीने के यामाल को गोद में लेने वाले मेसी अब विश्व कप के सबसे बड़े मंच पर युवा स्टार के खिलाफ उतरेंगे

न्यू जर्सी, 17 जुलाई. फुटबॉल की दुनिया के लिए विश्व कप फाइनल बेहद खास होने जा रहा है. अर्जेंटीना के दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी और स्पेन के युवा स्टार लामिन यामाल पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगे. हालांकि, दोनों खिलाड़ियों की यह पहली मुलाकात नहीं है. करीब 20 साल पहले एक चैरिटी फोटोशूट के दौरान मेसी और यामाल की मुलाकात हो चुकी थी, जब यामाल सिर्फ छह महीने के बच्चे थे.

अर्जेंटीना ने इंग्लैंड को 2–1 से हराकर विश्व कप फाइनल में जगह बनाई है. अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा. इस मैच को सिर्फ दो मजबूत टीमों की भिड़ंत नहीं, बल्कि फुटबॉल की दो अलग–अलग पीढ़ियों के सितारों के मुकाबले के रूप में भी देखा जा रहा है.एक तरफ 39 वर्षीय लियोनेल मेसी हैं, जिन्हें दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है. मेसी ने अपने शानदार करियर में कई बड़े खिताब जीते हैं और अर्जेंटीना को 2022 विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी. दूसरी ओर 19 वर्षीय लामिन यामाल हैं, जिन्होंने कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा से दुनिया भर में पहचान बनाई है.दोनों खिलाड़ियों का रिश्ता करीब दो दशक पुराना है. साल 2007 में स्पेन के खेल अखबार डियारियो स्पोर्ट और यूनिसेफ की ओर से एक चैरिटी कैलेंडर के लिए फोटोशूट आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम में स्थानीय परिवारों को बार्सिलोना के खिलाड़ियों के साथ तस्वीर खिंचवाने का मौका दिया गया था.इसी फोटोशूट में लामिन यामाल का परिवार भी शामिल हुआ था. उस समय यामाल की उम्र केवल छह महीने थी. वहीं मेसी 20 साल के थे और बार्सिलोना की टीम में अपनी जगह मजबूत कर रहे थे.

फोटोशूट के दौरान मेसी ने छोटे यामाल को अपनी गोद में लिया था. इस तस्वीर में मेसी एक नीले रंग के प्लास्टिक टब में बैठे बच्चे यामाल को संभालते हुए नजर आए थे. उस समय किसी ने नहीं सोचा था कि यह तस्वीर भविष्य में फुटबॉल इतिहास की सबसे चर्चित तस्वीरों में शामिल हो जाएगी.यह फोटो लंबे समय तक चैरिटी कैलेंडर तक सीमित रही. साल 2024 के यूरो कप के बाद यामाल के पिता मुनिर नसराउई ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा किया. उन्होंने इसके साथ लिखा था– 'दो दिग्गजों की शुरुआत'. इसके बाद यह तस्वीर दुनियाभर में तेजी से वायरल हो गई.अब करीब 20 साल बाद वही बच्चा, जिसे कभी मेसी ने अपनी गोद में उठाया था, विश्व कप के सबसे बड़े मंच पर उनके सामने खेलने उतरेगा. हालांकि इस बार दोनों की भूमिकाएं अलग होंगी. मेसी अर्जेंटीना के लिए अनुभव, नेतृत्व और शानदार प्रदर्शन की उम्मीद होंगे, जबकि यामाल स्पेन के लिए अपनी तेज गति, रचनात्मक खेल और युवा जोश के साथ मैदान में उतरेंगे

मेसी और यामाल दोनों का बार्सिलोना से गहरा संबंध रहा है. मेसी ने बार्सिलोना के साथ अपने करियर के कई ऐतिहासिक पल बिताए, जबकि यामाल ने बेहद कम उम्र में क्लब की पहली टीम में जगह बनाकर अपनी अलग पहचान बनाई.

विश्व कप फाइनल में होने वाली यह भिड़ंत सिर्फ दो खिलाड़ियों के बीच मुकाबला नहीं होगी, बल्कि यह फुटबॉल की पुरानी विरासत और नई पीढ़ी के उभरते सितारे के बीच एक ऐतिहासिक अध्याय भी लिखेगी.

फीफा विश्व कप विजेताओं की सूची

न्यूयॉर्क. टूर्नामेंट के 96 साल के इतिहास में केवल आठ देशों ने फीफा वर्ल्ड कप जीता है, और इस गर्मी में एक बार फिर कोई मौजूदा चैंपियन ही खिताब जीतेगा, क्योंकि स्पेन या अर्जेंटीना में से कोई एक ट्रॉफी उठाएगा.

ब्राजील वर्ल्ड कप के इतिहास में पांच खिताबों के साथ सबसे सफल देश है. इटली और जर्मनी ने चार–चार बार टूर्नामेंट जीता है, जबकि अर्जेंटीना ने तीन बार जीत हासिल की है. उरुग्वे और फ्रांस ने दो–दो खिताब जीते हैं, जबकि स्पेन और इंग्लैंड ने एक–एक बार वर्ल्ड कप जीता है.

फीफा वर्ल्ड कप जीतने वालों को चैंपियनशिप रिंग्स देगा

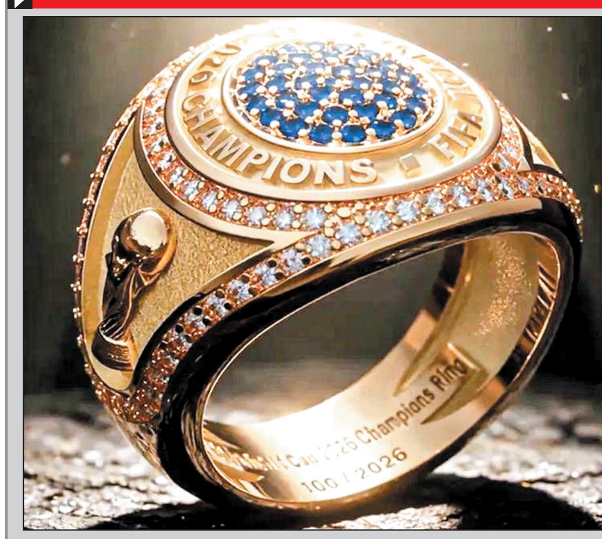

न्यूयॉर्क. फीफा ने गुरुवार को घोषणा की कि 2026 फीफा वर्ल्ड कप जीतने वालों को पारंपरिक ट्रॉफी और गोल्ड मेडल के अलावा चैंपियनशिप रिंग्स भी मिलेंगी. ये रिंग्स रविवार को न्यूयॉर्क–न्यू जर्सी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के बाद चैंपियंस को दी जाएंगी, जहाँ स्पेन और अर्जेंटीना खिताब के लिए मुकाबला करेंगे. ये चैंपियनशिप रिंग्स 2,026 अलग–अलग नंबर वाली रिंग्स के लिमिटेड–एडिशन कलेक्शन का हिस्सा हैं, जो 2026 टूर्नामेंट की याद में बनाई गई हैं. जीतने वाली टीम के सदस्यों को 30 रिंग्स दी जाएंगी. बाकी 1,996 रिंग्स को आधिकारिक तौर पर लाइसेंस प्राप्त यादगार चीज़ों (मेमोरेबिलिया) के तौर पर दुनिया भर में जारी किया जाएगा. हर रिंग के एक तरफ फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी बनी होगी, जबकि दूसरी तरफ टूर्नामेंट जीतने वाली टीम की पहचान के हिसाब से कस्टमाइज़ेशन किया जाएगा. चैंपियनशिप रिंग्स को शामिल करने से फीफा के अवॉर्ड प्रेजेंटेशन में नॉर्थ अमेरिका का एक खास अंदाज़ जुड़ता है. यह अमेरिका के प्रोफेशनल स्पोर्ट्स में चैंपियनशिप जीतने वाली टीमों को ट्रॉफी के साथ यादगार रिंग्स देने की पुरानी परंपरा को दर्शाता है.

वर्ल्ड कप विजेताओं की सूची :

2022 : अर्जेंटीना	1978 : अर्जेंटीना
2018 : फ्रांस	1974 : वेस्ट जर्मनी
2014 : जर्मनी	1970 : ब्राजील
2010 : स्पेन	1966 : इंग्लैंड
2006 : इटली	1962 : ब्राजील
2002 : ब्राजील	1958 : ब्राजील
1998 : फ्रांस	1954 : वेस्ट जर्मनी
1994 : ब्राजील	1950 : उरुग्वे
1990 : वेस्ट जर्मनी	1938 : इटली
1986 : अर्जेंटीना	1934 : इटली
1982 : इटली	1930 : उरुग्वे

मेसी और यामाल पहली बार मैदान पर आमने–सामने होंगे, मेसी की गोद में थे यामाल, अब देंगे कड़ी चुनौती

स्लोवेनिया के विंसिक विश्व कप फाइनल में रेफरी होंगे

न्यूयॉर्क. स्लोवेनिया के स्लावको विंसिक रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फीफा विश्व कप फाइनल में रेफरी होंगे, फीफा ने गुरुवार को इसकी घोषणा की. फीफा ने कहा, ' 'अन्य मैच अधिकारी टोमाज़ क्लैननिक (सहायक रेफरी 1), एंड्राज़ कोवासिक (सहायक रेफरी 2), अधम मखादमेह (चौथे अधिकारी) और मोहम्मद अल्कलाफ (रिजर्व सहायक रेफरी) हैं.

हंसिका लांबा ने सीरीज़ में जीता रजत पदक

बुडापेस्ट, 17 जुलाई पूर्व अंडर 23 विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता हंसिका लांबा ने पॉलीक इमरे, वर्गा जानोस और कोज़मा इस्तवान मेमोरियल सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट 2026 में महिलाओं के 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल करने के लिए एक उत्साही प्रदर्शन किया.

जबरदस्त मैट लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए, हंसिका लांबा ने सेमीफाइनल में सनसनीखेज वापसी के साथ फाइनल में अपनी जगह बनाई, जहां उन्होंने विस्फोटक टेकडाउन की एक श्रृंखला को अंजाम देकर जर्मनी की अनास्तासिया ब्लायवास के खिलाफ 2–7 की हार को पलटते हुए 10–7 से जीत हासिल की.

स्वर्ण पदक मुकाबले में, भारतीय पहलवान ने यूक्रेन की नतालिया क्लिवचुटस्का जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ा प्रतिरोध किया, अंततः अंक (वीपीओ) के आधार पर 0–5 से हारकर पोडियम पर दूसरे स्थान पर रही. रजत पदक हंसिका के लिए तेजी से बढ़ते अंतरराष्ट्रीय करियर में शामिल है, जिन्होंने पहले 2026 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था. भारतीय दल के फ्रीस्टाइल पहलवानों ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन दो कांस्य पदक जीतकर देश की पदक संख्या को और बढ़ा दिया. 65 किग्रा के तीसरे स्थान के प्ले–ऑफ में, विशाल कालीरमन ने शानदार सामरिक प्रदर्शन करते हुए कजाकिस्तान के ओसुमज़ान दास्तानबेक को 8–2 से हराया.

> 125 किग्रा हैवीवेट वर्ग में, रजत रूहल ने यूएसए के मेसन मार्क पैरिस के खिलाफ कांस्य पदक जीता. अमेरिकी पहलवान को चोट के कारण मुकाबला छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद रूहल को विजेता घोषित किया गया. इन तीन पोडियम फिनिश ने भारत के कुल पदकों की संख्या पांच कर दी है, जो सीधे शुरुआती दिन की गति पर आधारित है जहां ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और दीपक ने 61 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया.

कम खिलाड़ियों का करियर रोहित जैसा रहा

क्या लॉर्ड्स का मैदान रोहित शर्मा के लिए होगा आखिरी पन्ना?

लंदन, 17 जुलाई लगभग दो दशकों से, रोहित शर्मा ने क्रिकेट में आए हर चैलेंज का सामना किया है. अब, क्रिकेट उनसे सवाल पूछ रहा है. इंग्लैंड के खिलाफ एक और फीके प्रदर्शन ने एक बार फिर भारत के पूर्व कप्तान के इंटरनेशनल क्रिकेट में भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं. इससे लॉर्ड्स में होने वाला सीरीज का फैसला करने वाला वनडे मैच सिर्फ एक आम मैच से कहीं ज़्यादा अहम हो गया है.

भारतीय क्रिकेट में बहुत कम खिलाड़ियों का करियर रोहित जैसा रहा है. उन्होंने मिडिल ऑर्डर में एक शानदार स्ट्रोक–मेकर के तौर पर शुरुआत की और बाद में वनडे इतिहास के सबसे खतरनाक ओपनिंग बल्लेबाजों में से एक बन गए. इसके बाद, उन्होंने टॉप ऑर्डर में निडर अंदाज़ अपनाकर भारत की व्हाइट–बॉल क्रिकेट में बदलाव की अगुवाई की. लेकिन बड़े से बड़े खिलाड़ी को भी आखिरकार उनके पुराने कारनामों के बजाय मौजूदा प्रदर्शन के आधार पर ही आंका जाता है.

> गुरुवार को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में, भारत को चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा और रोहित ने 47 गेंदों में 26 रन बनाए. यह एक ऐसी पारी थी जो कभी लय में नहीं आ पाई. उनकी बल्लेबाजी की पहचान रही सहज टाइमिंग और आक्रामक इरादे इस पारी में गायब थे. इसके बजाय, वे हिचकिचाते हुए दिखे, बार–बार फील्डर के हाथों में शॉट खेले, सैम करन के खिलाफ एक मेडन ओवर खेला और विल जैक्स की ऑफ–स्पिन के खिलाफ असहज दिखे. आखिरकार, वे एक स्वीप शॉट खेलने की कोशिश में आउट हो गए, जिसके लिए वे पूरी तरह तैयार नहीं लग रहे थे.

अनुष्का–विश्मी की वनडे सीरीज के लिए श्रीलंका की टीम में वापसी

कोलंबो. श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए विकेटकीपर अनुष्का संजीवानी और विश्मी गुणरत्ने को टीम में वापस बुलाया है. चयनकर्ताओं ने शुक्रवार को पाकिस्तान के खिलाफ चामरी अटापट्टू की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की.संजीवानी आखिरी बार 2025 वनडे विश्व कप में श्रीलंका के लिए खेली थीं, जिसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था. विश्मी गुणरत्ने, जो पूरी तरह फिट हो गई हैं और अप्रैल में बंगलादेश के खिलाफ श्रीलंका की पिछली वनडे सीरीज में नहीं खेल पाई थीं, उनकी भी टीम में वापसी हुई है.

जेडेन लेनॉक्स का फिर शानदार प्रदर्शन

प्रॉविडेंस (गुयाना). जेडेन लेनॉक्स (चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद टॉम लेथम (नाबाद 31) और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट (नाबाद 22) के धैर्यपूर्ण प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 63 गेंदें शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी. इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2–1 से बढ़त बना ली है. न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने जेडेन लेनॉक्स और अन्य गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को 140 रन पर समेट दिया. इसके बाद न्यूजीलैंड ने 39.3 ओवरों चार विकेट पर 140 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की.

संग्राम सिंह पाक के आबिद के ख़िलाफ़ मुकाबले के लिए तैयार

नयी दिल्ली, 17 जुलाई भारतीय रेसलिंग के दिग्गज और कभी न हारने वाले मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एमएमए) फाइटर संग्राम सिंह अपने कॉम्बैट स्पोर्ट्स करियर के सबसे बड़े मुकाबलों में से एक के लिए तैयार हैं.

वह 19 जुलाई को कुआलालंपुर, मलेशिया में प्रतिष्ठित स्ट्राइक एशिया चैंपियन टाइटल के लिए पाकिस्तान के मोहम्मद आबिद अली का सामना करेंगे. भारत और पाकिस्तान के बीच इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले की शुरुआत भारतीय समयानुसार शाम लगभग 6:30 से 7:00 बजे के बीच होने की उम्मीद है. इसका प्रसारण मलेशियाई नेशनल टीवी और स्पोर्ट्स चैनल पर लाइव किया जाएगा. इस टाइटल फाइट को लेकर कॉम्बैट स्पोर्ट्स जगत में काफी उत्साह है और विजेता को स्ट्राइक एशिया चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा. यह मुकाबला प्रोफेशनल रेसलिंग से मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में संग्राम के शानदार बदलाव में एक और अहम पड़ाव भी है.

फैसला ▶ भारत ऑस्ट्रेलिया–न्यूजीलैंड संग प्रशिक्षण सहयोग करेगा

स्पोर्ट्स और फिटनेस में रोजगार के अवसर : मोदी

जींद (हरियाणा), 17 जुलाई) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने जा रहे भारत ने खेलकूद उद्योग और खिलाड़ियों के प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ मिल कर काम करने का फैसला किया है.

उन्होंने कहा कि देश 2026 के ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने की भी तैयारी में है और इसके लिए हमें अभी से 5 वर्ष से 12–15 वर्ष की प्रतिभाओं को इन प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा.

श्री मोदी ने कहा कि इस तरह के सहयोग से देश की खेल प्रतिभाओं , खास कर हरियाणा जैसे राज्यों के युवाओं को आने वाले समय में लाभ होगा. उन्होंने कहा कि इस तरह के सहयोग से भारत में स्पोर्ट्स आर फिटनेस क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर बनेंगे. प्रधानमंत्री हरियाणा के जींद में विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे.

> हरियाणा के राज्यपाल असीम घोष , मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी , सूचना प्रसारण एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा कई जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में श्री मोदी ने अपनी हाल की विदेश यात्रा का उल्लेख किया जिसमें वह इंडोनेशिया , आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड गये थे। उन्होंने कहा 'ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में, वहां की सरकारों से, स्पोर्ट्स को लेकर मेरी व्यापक चर्चा हुई है।इन दोनों देशों के साथ मिलकर, आने वाले समय में हम स्पोर्ट्स इंडस्ट्री, खिलाड़ियों की ट्रेनिंग, ऐसे अनेक मामलों में बहुत सारा काम साथ मिलकर करने वाले हैं.